MSP बढ़ने, जुलाई में एक्सपोर्ट कम होने से महंगी हुई मिठास

चीनी उत्पादन 3.55 करोड़ टन पर पहुंच सकता है, जो पिछले साल से 10% अधिक होगा

[जयश्री मोसले | पुणे]

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और जुलाई में शुगर एक्सपोर्ट कोटा कम होने के चलते चीनी की घरेलू कीमतों में सुधार आया है। वहीं, एक्सपोर्ट मार्केट में कम दाम की वजह से मिल मालिक चीनी निर्यात नहीं करना चाहते। इंडस्ट्री चाहती है कि सरकार अगले पेराई सीजन में रॉ शुगर एक्सपोर्ट के लिए पॉलिसी डिसिजन पर समय पर फैसला करे क्योंकि अगले सीजन में भी सरप्लस शुगर प्रॉडक्शन होने वाला है। शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के मुताबिक, 2018-19 में देश का चीनी उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर पहुंच सकता है। इसके करीब 355 लाख टन तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग 10 पर्सेंट ज्यादा रहेगा। पिछले साल देश में करीब 322.5 लाख टन चीनी उत्पादन हुआ था। बॉम्बे शुगर मर्चेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन ने कहा, 'देश में चीनी का बड़े पैमाने पर सरप्लस स्टॉक है, जिसकी वजह से निर्यात जरूरी है। हमने सरकार को 2018-19 सत्र में रॉ शुगर के प्रॉडक्शन और एक्सपोर्ट को लेकर पॉलिसी बनाने का सुझाव दिया है।'

- बॉम्बे शुगर मर्चेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन ने कहा, 'देश में चीनी का बड़े पैमाने पर सरप्लस स्टॉक है, जिसकी वजह से निर्यात जरूरी है। हमने सरकार को 2018-19 सत्र में रॉ शुगर के प्रॉडक्शन और एक्सपोर्ट को लेकर पॉलिसी बनाने का सुझाव दिया है।'
- सरकार ने चीनी के जरूरत से ज्यादा स्टॉक को खत्म करने के लिए मैंडेटरी शुगर एक्सपोर्ट स्कीम के तहत मिल-वाइज कोटा तय किया है

सरकार ने चीनी के जरूरत से ज्यादा स्टॉक को खत्म करने के लिए मैंडेटरी शुगर एक्सपोर्ट स्कीम के तहत मिल-वाइज कोटा तय किया है। वहीं, शुगर एक्सपोर्ट्स से लिंक्ड 55 रुपये प्रति टन का इंसेंटिव भी गन्ना किसानों को दिया जा रहा है। सरकार ने चीनी की एक्स-मिल प्राइस की एमएसपी भी 29 रुपये प्रति किलो तय कर दी है। फिलहाल महाराष्ट्र में एक्स-मिल प्राइस 30.50 रुपये प्रति किलो है क्योंकि इंडस्ट्री की उम्मीदों के उलट जुलाई के लिए शुगर सेल कोटा काफी कम रखा गया था।

महाराष्ट्र के एक शुगर ट्रेडर ने बताया, 'एक्सपोर्ट के मुकाबले डोमेस्टिक मार्केट में कीमतें अधिक हो गई हैं, जिसकी वजह से चीनी मिलें निर्यात नहीं करना चाहती हैं। इसीलिए जुलाई में चीनी निर्यात काफी कम हो गया है।' नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्टरीज के प्रेसिडेंट दिलीप वल्से पाटिल ने बताया, 'अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमतें काफी कम हैं, जिसकी वजह से निर्यात की रफ्तार सुस्त है। हालांकि, सरकार ने इंडोनेशिया और मलेशिया में निर्यात की संभावनाएं तलाशने के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल भेजा है।' वहीं, व्यापार जगत उम्मीद कर रहा है कि फेस्टिव सीजन को देखते हुए अगस्त में कोटा 20 लाख टन से बढ़ाकर 22 लाख टन कर दिया जाएगा।

Economic Times

27/7/2018